हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बुधवार
19 फरवरी 2025, बरेली

PAGE NO 6 : BOTTOM

नाटक

एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार से शुरू हुआ चार दिवसीय संभागीय नाट्य समारोह, मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

देश के विभाजन ने दिलों को बांट दिया

शुभारंभ

बरेली, प्रमुख संवाददाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार को चार दिवसीय संभागीय नाट्य समारोह की शुभारंभ हुआ। पहले दिन कहानीकार सागर सरहदी के नाटक मसीहा का मंचन किया गया। नाटक में वर्ष 1947 के भारत विभाजन पर शरणार्थियों की सामाजिक एवं मानसिक मनोदशा को दिखाया गया।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ और एसआरएमएस रिद्धिमा के संयुक्त तत्वावधान में संभागीय नाटक समारोह रिद्धिमा ऑडिटोरियम में आरंभ हुआ।

नाटक का आरंभ भारत पाकिस्तान सरहद पर भारत में एक शरणार्थी शिविर से होता है। जिसमें सारे निर्वासित शरणार्थी बिछड़ गए। अपने परिवार के सदस्यों का इंतज़ार करते हैं। सरहद के दोनों तरफ सिपाही तैनात हैं। विभाजन से पहले एक ही गांव में रहते थे। मास्टर संतराम भी पाकिस्तान से आया एक शरणार्थी है। वह रोज अपनी बहन का इंतज़ार करता है। जिसे उसके ही शागिर्द उठा ले गए। हिंदुस्तानी कैप्टन भी मास्टर का शागिर्द रहा है। वह उनकी बहन को मिलाने में मदद करता है। एक दिन कैप्टन मास्टर की बहन लाडली को लेकर आता है। जो मानसिक, शारीरिक यातनाओं से अर्धविक्षिप्त हो गई है। भाई से मिलकर जब वो होश में आती है तो उसमें भाई से आंख मिलाने का साहस नहीं रहता और वो वापस पाकिस्तान की सरहद की तरफ भागती है। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, उप्र संगीत नाटक अकादमी की ड्रामा डायरेक्टर शैलजा कांत, ट्रस्टी आशा मूर्ति, उषा गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।